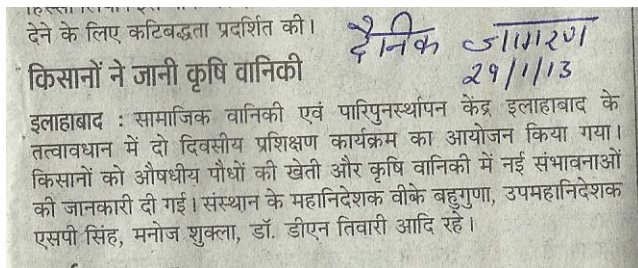


कृषि वानिकी में नई सम्भावनाये : किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद के तत्वाधान में दो-दिवसीय, दिनांक 22-23 जनवरी, 13 को "औषधीय पौधों की खेती तथा कृषि-वानिकी में नई संभावनायें" विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, श्री वी. के. बहुगुणा, महानिदेशक तथा श्री एस. पी. सिंह, उपमहानिदेशक, भा. व. अ. एवं शि. प., देहरादून के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा० डी. एन. तिवारी, अध्यक्ष, उत्थान- गरीबी उन्मूलन तथा सतत विकास का केन्द्र थे। श्री मनोज कुमार शुक्ला, निदेशक द्वारा मुख्य अतिथि तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डा० डी. एन. तिवारी ने कृषि वानिकी में बागानों के साथ औषधीय खेती पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण में श्री शुक्ला, निदेशक, सी. एस. एफ. ई. आर ने कृषकों हेतु कृषि-वानिकी अपनाने में आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों के निवारण हेतु चर्चा किया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में केन्द्र के वैज्ञानिक डा० बी. के. पाण्डेय, डा० कुमुद दूबे, डा० अनिता तोमर तथा डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कृषि वानिकी, औषधीय पौधों की खेती, क्लोनल नर्सरी तथा वृक्ष विपणन आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया।

कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान श्री आर. पी. सिंह, श्री बी. डी. सिंह, श्री विजय सिंह तथा श्री यादव ने प्रतिभागियों को स्वअनुभवों से अवगत कराया। क्षेत्र-भ्रमण में कौशाम्बी तथा फूलपुर श्रेत्र के प्रगतिशील कृषकों के कार्य का अवलोकन किया गया। औषधीय पौधों के विपणन तथा जैविक खेती की जानकारी भी क्षेत्र में किसानों को दी गयी। कृषकों ने कार्यक्रम के अन्तिम चरण में अपने विचार तथा सुझाव रखे। कार्यक्रम का सफल आयोजन डा० अनिता तोमर तथा डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा० वी. पी. पाण्डेय तथा डा० एस. डी. शुक्ला ने अमूल्य सहयोग किया।





मुख्य अतिथि डा0 डी. एन. तिवारी





मुख्य अतिथि डा० डी. एन. तिवारी, निदेशक श्री एम. के. शुक्ला एवं सी. एस. एफ. ई आर. वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षणार्थी किसान



प्रगतिशील किसान श्री आर. पी. सिंह प्रतिभागियों को स्वअनुभवों से अवगत कराते हुए।



क्षेत्र भ्रमण जानकीपुर, कौशाम्बी में अपनी परियोजनाओं को दिखाते निदेशक तथा डा० बी. के. पाण्डेय



क्षेत्र भ्रमण फूलपुर, इलाहाबाद



प्रशिक्षणार्थी किसानों को आई. सी. एफ. आर. ई. की कुम्भ प्रदर्शनी दिखाते हुए वैज्ञानिक

